Impact Factor (SJIF): 6.092 E-ISSN: 2583-1615

International Journal of Research in Academic World

Received: 15/October/2024 IJRAW: 2024; 3(11):96-99 Accepted: 27/November/2024

मध्यम वर्ग परिवार के बचत वृद्धि में म्यूचुअल फंड की भूमिका

*[1]डॉ. विनीता गौतम

*[1]सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, लक्ष्मण प्रसाद वैध शासकीय कन्या महाविद्यालय, बेमेतरा, छत्तीसगढ़, भारत।

सारांश

भारत में म्यूचुअल फंड सेक्टर ने पिछले दो दशकों में अभूतपूर्व वृद्धि कर एक नया कृतिमान स्थापित किया है, जिसमें मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। अर्थात यह मध्यम वर्ग अपने वित्तीय साक्षरता कौशल के आधार पर म्यूचुअल फंड में अपनी अवशिष्ट आय एवं बचत को निवेश कर इसके आकार में वृद्धि कर रहा है। प्रस्तुत शोध, म्यूचुअल फंड क्षेत्र में मध्यम वर्ग की भागीदारी के सकारात्मक पहलुओं की खोज करना है, म्यूचुअल फंड उद्योग में मध्यम वर्ग के सबसे उल्लेखनीय योगदानों में से एक प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) में पर्याप्त वृद्धि है। अक्टूबर 2024 तक, भारतीय म्यूचुअल फंड का एयूएम लगभग 67.26 ट्रिलियन तक पहुँच गया, जो 2010 में केवल 3 ट्रिलियन से उल्लेखनीय वृद्धि है। (Geol, 2024) इस वृद्धि का श्रेय म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले मध्यम वर्ग के परिवारों की बढ़ती संख्या को दिया जा सकता है, जो उन्हें धन वृद्धि विकल्प के रूप के एक विश्वसनीय प्लेटफार्म देता हैं। साथ ही व्यवस्थित निवेश योजनाओं (SIP) की लोकप्रियता ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया है, जिससे व्यक्ति नियमित रूप से निश्चित राशि का निवेश कर सकते हैं, जिससे अनुशासित बचत और दीर्घकालिक धन संचय को बढ़ावा मिलता है। मध्यम वर्ग की भागीदारी ने म्यूचुअल फंड उद्योग के भीतर निवेशक आधार के क्षेत्र विविधीकरण को भी बढ़ावा दिया है। पारंपरिक रूप से पूँजीपति व्यक्तियों और संस्थागत निवेशकों का वर्चस्व रहा है, मध्यम वर्ग के निवेशकों की वृद्धि ने प्रतिभागियों के स्पेक्ट्रम को व्यापक बनाया है, जिससे बाजार उद्योग की स्थिरता बढ़ी है। निवेशकों के विविधीकरण ने फंड हाउसों को म्यूचुअल फंड उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला विकसित करने के लिए प्रेरित किया है। नतीजतन, निवेशकों को बढ़े हुए विकल्पों से लाभ होता है, जबकि फंड हाउसों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बेहतर सेवाएँ और कम लागत मिलती है। इसके अलावा, म्यूचुअल फंड में मध्यम वर्ग की बढ़ती भागीदारी ने इस जनसांख्यिकीय में वित्तीय साक्षरता को काफी हद तक बढ़ाया है। जैसे–जैसे व्यक्ति निवेश करना शुरू करते हैं, वे वित्तीय उत्पादों, निवेश रणनीतियों और बाजार की गतिशीलता के बारे में खुद को शिक्षित करने के लिए प्रेरित होते हैं। यह बढ़ी हुई जागरूकता निवेशकों को सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है, अंततः एक अधिक वित्तीय रूप से समझदार समाज को बढ़ावा देती है। विनियामक निकायों और म्यूचुअल फंड कंपनियों सहित विभिन्न हितधारकों द्वारा वित्तीय साक्षरता पहल ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे संभावित निवेशकों को संसाधन और शिक्षा प्रदान की गई है। म्यूचुअल फंड में मध्यम वर्ग की भागीदारी का आर्थिक प्रभाव व्यक्तिगत निवेशकों से आगे बढ़कर व्यापक आर्थिक विकास में योगदान देता है। निवेश में वृद्धि से अधिक पूंजी निर्माण होता है, जो व्यवसाय विस्तार और रोजगार सृजन का समर्थन करने के लिए आवश्यक है। म्यूचुअल फंड उद्योग वित्तीय समावेशन को भी बढ़ावा देता है, जो उन व्यक्तियों के लिए निवेश के अवसरों तक पहुँच प्रदान करता है, जिन्होंने पहले शेयर बाजार में निवेश करने पर विचार नहीं किया होगा। इसके अलावा, मध्यम वर्ग के निवेशकों के बीच दीर्घकालिक निवेश मानसिकता की ओर बदलाव बाजार स्थिरता को बढ़ावा देता है, जिससे मंदी के दौरान घबराहट में बिक्री की संभावना कम हो जाती है।

मुख्य शब्द: म्यूचुअल फंड, अवशिष्ट आय, स्पेक्ट्रम, विविधीकरण, विनियामक निकायों, जनसांख्यिकीय, दीर्घकालिक निवेश।

***Corresponding Author:** डॉ. विनीता गौतम

प्रस्तावना

भारत में म्यूचुअल फंड सेक्टर ने अपनी जड़े पिछले कुछ वर्षो में काफी मजबूत कर ली है, जिसमें मध्यम वर्गीय परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (NCAER) के अनुसार, भारत में म्यूचुअल फंड में मध्यम वर्गीय परिवार द्वारा 2020 से लेकर 2030 तक 20% प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है । इस सर्वे प्राप्त आंकड़े के अनुसार म्यूचुअल फंड में निवेश से वित्तीय उत्पादों में तेजी से वृद्धि होगा, जो भारत के आर्थिक विकास में नए कृतिमान को स्थापित करेगा। म्यूचुअल फंड सेक्टर ने प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (AUM), 2014 मे 10.36 ट्रिलियन से बढ़कर 2024 में 67.26 ट्रिलियन हो गया है । लगभग 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । यह प्रभावशाली विकास प्रक्षेप वक्र निवेश परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता करता है, विशेष रूप से मध्यम वर्ग के बीच, जिसने अपनी बचत का एक बड़ा हिस्सा म्यूचुअल फंड में निवेश कर इस सेक्टर को मजबूती प्रदान की है । म्यूचुअल फंड सेक्टर को एक विश्वसनीय निवेश विकल्प के रूप में स्थापित करने का श्रेय, वित्तीय संस्थानों और विनियामक निकायों द्वारा की गई विभिन्न पहलों के कारण हुआ है, जिसने भारतीय निवेशकों को वित्तीय साक्षरता द्वारा जागरूक कर उन्हे म्यूचुअल फंड सेक्टर में निवेश करने के लिए प्रेरित किया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने निवेश प्रक्रिया को और भी पारदर्शी एवं आसान बना दिया है, जिससे यह ज्यादातर निवेशक तक इसकी पहुँच सरलता से सुलभ हो गयी है। व्यवस्थित निवेश योजनाओं (SIP) पहल ने नियमित निवेश को प्रोत्साहित किया है, जिससे व्यक्तियों को हर माह (निश्चित समय में) अपनी इच्छा अनुसार छोटी–छोटी धनराशि को निवेश करने की अनुमति मिलती है। यह दृष्टिकोण न केवल बाजार की अस्थिरता से जुड़े जोखिम को कम करता है, बल्कि मध्यम वर्ग के बीच एक अनुशासित निवेश की आदत भी डालता है। विनियामक सुधारों ने भी म्यूचुअल फंड सेक्टर को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है, जिससे अधिक पारदर्शी और निवेशक–अनुकूल वातावरण को बढ़ावा मिला है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने निवेशकों की सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से कई उपाय लागू किए हैं। उदाहरण के लिए, 2013 में डायरेक्ट प्लान की शुरूआत ने निवेशकों को दलालों के बिना सीधे म्यूचुअल फंड में निवेश करने की अनुमति दी, जिससे लागत कम हुई और रिटर्न बढ़ा। इसके अतिरिक्त, नो योर कस्टमर (KYC) मानदंडों के कार्यान्वयन ने निवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया है, जिससे व्यक्तियों के लिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना आसान हो गया है। इन सुधारों ने न केवल निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है, बल्कि खुदरा निवेशकों के एक बड़े समूह को भी आकर्षित किया है, खासकर मध्यम वर्ग से। म्यूचुअल फंड उद्योग के भीतर उपलब्ध निवेश विकल्पों की विविधता ने भी मध्यम वर्ग के निवेशकों को आकर्षित किया । इक्विटी फंड, डेट फंड और हाइब्रिड फंड उपलब्ध विकल्पों के कुछ उदाहरण हैं। कामकाजी पेशेवरों और उद्यमियों की बढ़ती संख्या ने म्यूचुअल फंड की मांग को और बढ़ा दिया है, क्योंकि ये व्यक्ति अपनी संपत्ति बढ़ाना चाहते हैं और अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड उद्योग ने भी बदलते बाजार की गतिशीलता के साथ खुद को ढाल लिया है, ऐसे नए उत्पाद पेश किए हैं जो निवेशकों की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं। पिछले दशक के आंकड़े मध्यम वर्ग के बीच म्यूचुअल फंड निवेश के बढ़ते चलन को रेखांकित करते हैं। उदाहरण के लिए, मार्च 2021 तक भारत में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या 10 करोड़ (100 मिलियन) को पार कर गई, जिसमें एक महत्वपूर्ण हिस्सा खुदरा निवेशकों का है। SIP की लोकप्रियता में उछाल आया है, मासिक SIP योगदान 2010 में + 1,000 करोड़ से बढ़कर 2021 तक + 8,000 करोड़ से अधिक हो गया है। यह प्रवृत्ति मध्यम वर्ग के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित रूप से निवेश करने की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाती है, जो निवेश व्यवहार में बदलाव को दर्शाती है। इसके अलावा, इक्विटी म्यूचुअल फंड में महत्वपूर्ण प्रवाह देखा गया है, जिसमें अकेले 2020–21 में शुद्ध प्रवाह + 1.2 ट्रिलियन तक पहुंच गया है। यह इक्विटी बाजारों में मध्यम वर्ग के बढ़ते आत्मविश्वास और संभावित रूप से उच्च रिटर्न के लिए अधिक जोखिम उठाने की उनकी इच्छा को उजागर करता है। (Kamiyama, 2007)

म्यूचुअल फंड में निवेश का सकारात्मक पक्ष

भारत में म्यूचुअल फंड सेक्टर को एक विशासलकाय शक्ति के रूप स्थापित करने में मध्यम वर्ग का योगदान अतुलनीय है, जो विभिन्न सकारात्मक तरीकों से निवेश कर इसके विकास में योगदान दे रहा है। अपनी बढ़ती अवशिष्ट आय, वित्तीय साक्षरता और निवेश जागरूकता की विशेषता वाले इस जनसांख्यिकीय ने म्यूचुअल फंड परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह उनके बचत में तेजी से वृद्धि करने में कारगार रहा है। भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने इस विश्वास को और भी मजबूत किया है। वास्तव में म्यूचुअल फंड में निवेश से न केवल खुदरा निवेशको को आकर्षित किया है बल्कि मध्यम वर्ग ने भी भारी मात्रा में निवेश किया है। डिजीटल साक्षरता ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । मध्यम वर्ग की भागीदारी को हम विभिन्न सकारात्मक पहलुओं के आधार पर समझ सकतें है। निवेश में वृद्धि, निवेशक आधार का विविधीकरण, वित्तीय साक्षरता और देश पर समग्र आर्थिक प्रभाव।

निवेश में वृद्धि

भारत सरकार द्वारा उठाये गए सकरात्मक कदम ने भारतीय मध्यम वर्ग के विकास एवं बचत में वृद्धि की है इससे म्यूचुअल फंड में मध्यम वर्ग द्वारा निवेश की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि है। पिछले एक दशक में, म्यूचुअल फंड सेक्टर में प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) मे छः गुना की वृद्धि देखी गई है, जो काफी हद तक मध्यम

वर्ग के निवेशकों की भागीदारी से प्रेरित है। मार्च 2021 तक, भारतीय म्यूचुअल फंड का AUM लगभग 38 ट्रिलियन तक पहुँच गया, जो 2010 में सिर्फ 3 ट्रिलियन से काफी ज्यादा है। तथा 2024 में यह 67.26 ट्रिलियन है। इस वृद्धि का कारण मध्यम वर्ग के परिवारों की बढ़ती संख्या को दिया जा सकता है जो अब म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं, क्योकि म्यूचुअल फंड निवेश विकल्प के रूप उनकी बचत में कम समय में कम जोखिमों के साथ वृद्धि करने एक अच्छा प्लेटफॉर्म है। तथा मध्यम वर्ग जो समाज का एक ऐसा वर्ग है, जिसकी क्रय क्षमता सबसे अधिक होती है। यह वर्ग किसी भी देश की स्वस्थ्य अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही, यह वर्ग अपनी बौद्धिक क्षमता के बल पर आसानी से म्यूचुअल फंड के बारे में जागरूक होकर न केवल खुद निवेश करता है। बल्कि अन्य लोगों को भी निवेश करने के लिए प्रेरित करता है। डिजिटल क्रांति ने इस प्रक्रिया को और सरल बना दिया हैं। इस संबंध में व्यवस्थित निवेश योजनाओं (SIP) द्वारा यह हर उस व्यक्ति तक अपनी पहुँच को सुनिश्चित करता है, जो छोटी छोटी धनराशि निवेश कर सकते है । SIP निवेशकों को नियमित रूप (निश्चित समय अंतराल) से एक निश्चित राशि को निवेश करने की अनुमति देता है। यह दृष्टिकोण न केवल नियमित बचत को प्रोत्साहित करता है, बल्कि निवेशकों को लागत औसत से लाभ उठाने में भी मदद करता है, जिससे बाजार में उतार–चढ़ाव का असर कम होता है। SIP की बढ़ती लोकप्रियता, जिसमें 2024 तक मासिक योगदान 25,000 करोड़ को पार कर गया है जो 2014 में केवल 14500 करोड़ था, इससे स्पष्ट होता है कि म्यूचुअल फंड के माध्यम से दीर्घकालिक धन संचय के लिए मध्यम वर्ग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। (Gujar, 2023)

निवेशकों के क्षेत्र का विस्तार

भारत में कुछ दशकों पहले निवेशक की प्रकृति कुछ धनी वर्गो या पूँजीपति तक ही सीमित था किंतु आज म्यूचुअल फंड में मध्यम वर्ग की बढ़ती भागीदारी ने निवेशक आधार क्षेत्र के विविधीकरण को बढ़ावा दिया है, जो पूरे बाजार अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद है। परंपरागत रूप से, भारत में म्यूचुअल फंड में पूँजीपति व्यक्तियों और संस्थागत निवेशकों का वर्चस्व था। हालांकि, मध्यम वर्ग के निवेशकों की वृद्धि ने प्रतिभागियों के स्पेक्ट्रम को व्यापक बना दिया है, जिससे अधिक विविध जनसांख्यिकी सामने आई है। यह विविधीकरण म्यूचुअल फंड उद्योग की स्थिरता को बढ़ाता है, क्योंकि यह सीमित संख्या में बड़े निवेशकों पर निर्भरता को कम करता है। और बाजार के आर्थिक जोखिमों को कम करता हैं। नए उत्पादों के विकास को प्रोत्साहित करता है। यह किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की वह रीढ़ है जो उसे निरंतर आगे बढ़ाने में सहायता करता है। इसके अलावा, मध्यम वर्ग में जोखिम लेने की व्यापक क्षमता और निवेश लक्ष्यों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिससे म्यूचुअल फंड उत्पादों की एक विविध श्रृंखलाओं का विकास हुआ है। फंड हाउस ने विभिन्न निवेश प्राथमिकताओं को पूरा करने वाली इक्विटी फंड, डेट फंड, हाइब्रिड फंड और थीमैटिक फंड सहित विभिन्न योजनाएं शुरू करके निवेशकों के निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग बताया है। यह उत्पाद विविधीकरण न केवल निवेशकों को अधिक विकल्प प्रदान करके लाभान्वित करता है, बल्कि फंड हाउस के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा देता है, जिससे अंततः निवेशकों के लिए बेहतर सेवाएं और कम लागत मिलती है।

वित्तीय साक्षरता में वृद्धि

आज विश्वसनीय वित्तीय संथाओं और विनियामक बोर्ड द्वारा वित्तीय साक्षरता के माध्यम से निवेश को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जागरूक कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। परिणामस्वरूप आज म्यूचुअल फंड में मध्यम वर्ग की बढ़ती भागीदारी ने इस वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम को सफल बनाया है। साथ ही निवेशक जैसे–जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश करना शुरू करता हैं, वह स्वयं वित्तीय उत्पादों, निवेश रणनीतियों और बाजार की गतिशीलता के बारे में जाननें के लिए उत्सुक होता हैं। और लगातार न केवल खुद बल्कि दुसरो को भी निवेश करनें के लिए प्रोत्साहित करता है। यह बढ़ती जागरूकता महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह निवेशकों को सही निर्णय लेने और अपने पोर्टफोलियो को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सक्षम बनाती है। इसमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), म्यूचुअल फंड कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों सहित विभिन्न हितधारकों द्वारा वित्तीय साक्षरता पहलों ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यशालाओं, सेमिनारों और ऑनलाइन संसाधनों ने मध्यम वर्ग के निवेशकों के लिए जानकारी तक पहुँचना और म्यूचुअल फंड से जुड़े लाभों और जोखिमों के बारे में जानना आसान बना दिया है। नतीजतन, मध्यम वर्ग जटिल वित्तीय अवधारणाओं को समझने में तेजी से निपुण होता जा रहा है, जो न केवल उनके निवेश निर्णयों को लाभान्वित करता है बल्कि एक अधिक वित्तीय रूप से समझदार समाज में भी योगदान देता है।

आर्थिक प्रभाव

वास्तव में किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की शुरूवात निवेश से प्रारंभ होकर निरंतर निवेश में वृद्धि से विकसित होती है। अर्थात आर्थिक विकास निवेश के समानुपातिक होती है। आज म्यूचुअल फंड सेक्टर पर मध्यम वर्ग के सकारात्मक प्रभाव ने इसे व्यक्तिगत निवेशकों से परे कर दिया है इसके व्यापक आर्थिक निहितार्थ भी हैं। म्यूचुअल फंड में बढ़ते निवेश से अधिक पूंजी निर्माण होता है, जो आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। जब मध्यम वर्ग के निवेशक अपनी बचत को म्यूचुअल फंड में लगाते हैं, तो वे अप्रत्यक्ष रूप से अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में फंड लगाते हैं, जिसमें बुनियादी ढांचा, विनिर्माण और सेवाएं

शामिल हैं। यह पूंजी निवेश व्यवसाय विस्तार, रोजगार सृजन और समग्र आर्थिक विकास का समर्थन करता है। और नए उत्पदों के निर्माण के लिए उद्योग निर्माण को प्रोत्साहित करता है। इसके अलावा, म्यूचुअल फंड उद्योग की वृद्धि का अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रभाव पड़ता है। जैसे–जैसे अधिक व्यक्ति म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, वित्तीय सेवाओं, सलाहकार सेवाओं और प्रौद्योगिकी समाधानों की मांग बढ़ती है। इससे वित्तीय क्षेत्र और संबंधित उद्योगों में रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करता है, जो लोगों को निवेश के लिए प्रेरित करते है। म्यूचुअल फंड उद्योग वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह उन व्यक्तियों के लिए निवेश के अवसरों तक पहुँच प्रदान करता है, जिन्होंने पहले शेयर बाजार में निवेश करने पर विचार नहीं किया होगा।

दीर्घकालिक निवेश मानसिकता को प्रोत्साहन

भारत जैसे देश में जहां बचत उनकी संस्कृति का एक हिस्सा है। ऐसे में म्यूचुअल फंड उन्हे एक ऐसा विकल्प देता है, जिससे दीर्घकालिक निवेश से वे अपनी बचत में वृद्धि कर सकते है। खासकर यह मध्यम वर्ग के लोगों को म्यूचुअल फंड में दीर्घकालिक निवेश मानसिकता को बढ़ावा दिया है, जो स्थायी धन वृद्धि के लिए आवश्यक है। पारंपरिक बचत साधनों के विपरीत, जो अक्सर अल्पकालिक लाभ को प्राथमिकता देते हैं, म्यूचुअल फंड निवेशकों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। मानसिकता में यह बदलाव भारत जैसे देश में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहाँ निवेश की तुलना में बचत की संस्कृति ऐतिहासिक रूप से अधिक प्रचलित रही है। म्यूचुअल फंड में निवेश करके, मध्यम वर्ग के व्यक्ति धन संचय में धैर्य और अनुशासन के महत्व को सीख रहे हैं। यह दीर्घकालिक दृष्टिकोण न केवल व्यक्तिगत निवेशकों को लाभान्वित करता है, बल्कि वित्तीय बाजारों की समग्र स्थिरता में भी योगदान देता है।

निष्कर्ष

भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग में मध्यम वर्ग की भागीदारी के कई सकारात्मक पक्ष हैं। उनके बढ़ते निवेश वॉल्यूम, निवेशक आधार क्षेत्र का विस्तार, वित्तीय साक्षरता में वृद्धि और देश की व्यापक आर्थिक स्थिति यह सभी म्यूचुअल फंड क्षेत्र की वृद्धि और स्थिरता में योगदान करते हैं। जैसे–जैसे मध्यम वर्ग का विस्तार और विकास जारी है, वैसे– वैसे म्यूचुअल फंड उद्योग में इसकी भूमिका से आर्थिक विकास के नए आयामों का सृजन होता रहेगा । इससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और दीर्घकालिक निवेश की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। बदले में, म्यूचुअल फंड उद्योग मध्यम वर्ग को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जो अंततः पूरे भारत के आर्थिक विकास में योगदान देगा। भारत में म्यूचुअल फंड का भविष्य आशाजनक दिखता है, जिसमें मध्यम वर्ग को योगदान परिवर्तनकारी साबित होगा। इसके सकारात्मक पक्ष के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक स्तर आर्थिक अनिश्चितताओं, युद्ध (जैसे रूस यूक्रेन, ईजराइल फिलिस्तीन) बाजार में उतार–चढ़ाव के लिए चिंता का प्रमुख कारण बना हुआ है, जिससे कई व्यक्तियों को अपनी निवेश रणनीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया है। इसके अतिरिक्त, जबकि वित्तीय साक्षरता में सुधार हुआ है, निवेशकों को यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर शिक्षा की आवश्यकता है कि वे म्यूचुअल फंड से जुड़े जोखिमों को समझें और सही निर्णय लें।

संदर्भ सूची

1. Geol, R (2024). "*Largecap funds make a comeback: The safe bet for mutual fund investors in 2024".* The economics times. https://economictimes.indiatimes.com/markets/stocks/news/largecap-funds-make-a-comeback-the-safe-bet-for-mutual-fund-investors-in-2024/articleshow/113593405.cms?from=mdr
2. Gujar, A.(2023,Augest). "SIP Mop-Up in July Topped Entire Year's Figure for FY14". The Times of India. https://www.google.com/amp/s/timesofindia.indiatimes.com/business/india-business/sip-mop-up-in-july-topped-entire-years-figure-for-fy14/amp_articleshow/102584853.cms
3. Kamiyama, T. (2007). *India's mutual fund industry*. Nomura Capital Market Review, 10(4), 57-72